पुस्तक :

लोकाकाश : एक वैज्ञानिक अनुशीलन
(गुरु हीरा-गुरु मान दीक्षा अर्द्धशती वर्ष)

लेखक : **डॉ. जीवराज जैन**

प्रकाशक :
सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल
दुकान नं. 182 के ऊपर,
बापू बाजार, जयपुर-302003
(राजस्थान)
फोन : 0141-2575997, 2571163
फैक्स : 0141-2570753
Email : sgpmandal @yahoo.in

संस्करण : प्रथम संस्करण : 2013

प्रतियाँ : 1100

मूल्य : **35/-** (पैंतीस रुपये मात्र)

आवरण : **निर्मल जामड़**

मुद्रक : कुमार एण्ड कम्पनी, जयपुर

अन्य प्राप्ति स्थल

- **श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ**
  घोड़ों का चौक, जोधपुर-342001
  (राजस्थान)
  फोन 0291-2624891
  मो. 09414267824

- **Shri Navratanji Bhansali**
  C/o. Mahesh ELectricals,
  14/5, BVK Ayangar Road,
  BANGALURU-560053
  (Karnataka) Ph. 080-22265957
  Mob. 09844158943

- **Shri B. Budhmalji Bohra**
  C/o. Bohra Syndicate,
  53, Erullapan Street, Sowcarpet,
  CHENNAI-600079 (Tamilnadu)
  Ph. 044-26435093
  Mob. 09444235065

- **श्रीमती विजयानन्दिनीजी मल्हारा**
  रत्नसागर, कलेक्टर बंगला रोड़,
  चर्च के सामने, 491-ए, प्लॉट नं. 4,
  जलगाँव-425001 (महाराष्ट्र)
  फोन 0257-2223223

- **श्री दिनेशजी जैन**
  1296, कटरा धुलिया, चाँदनी चौक,
  दिल्ली-110006 (दिल्ली)
  फोन 011-23919370
  मो. 09953723403

लोकाकाश : एक वैज्ञानिक अनुशीलन

लेखक :
डॉ. जीवराज जैन

प्रकाशक :
सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल

अनुक्रमणिका पृष्ठ संख्या

1. जैन और आधुनिक ब्रह्माण्ड : एक तुलनात्मक दृष्टि 1

2. ब्रह्माण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप एवं अंतरिक्ष 4

3. विज्ञान के अनुसार पृथ्वी ग्रह की संरचना 9

4. जैन विज्ञान में त्रिलोक का स्वरूप 14

5. दिक्काल के सातत्य में जीव-अजीव पदार्थों का वर्गीकरण 29

6. ब्रह्माण्ड के रहस्योद्घाटन की क्रमबद्ध प्रणाली 40

7. चित्रलिपि द्वारा लोक रहस्यों की प्रस्तुति 55

8. उभरती जिज्ञासाएँ और संभावित समाधान (1) 64
(A) पूर्ण ब्रह्माण्ड, (B) ऊर्ध्व लोक

9. उभरती जिज्ञासाएँ और संभावित समाधान (2) 76
(C) मध्य लोक

10. उभरती जिज्ञासाएँ और संभावित समाधान (3) 88
(D) ज्योतिष्क लोक, (E) नरक लोक, (F) त्रस-नाड़ी व वातवलय

11. जैन आचार्यों की दूरदर्शिता और वैज्ञानिक पक्ष 104

12. सारांश 106

13. Scientific Interpretation of Jain Lokakash Map 107

लोकाकाश :
एक वैज्ञानिक अनुशीलन

लेखक : डॉ. जीवराज जैन

प्रकाशक :
सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल